जननी जन्मभूमिश्च
स्वर्गादपि गरीयसी
जो हठि राखै धर्म को,
तिहिं राखै करतार

बी.एड्. विभाग
महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर के
तत्वावधान में

राष्ट्रीय शिक्षा नीति : संकल्प से सिद्धि तक
विषय पर आयोजित
दो दिवसीय
राष्ट्रीय संगोष्ठी

मार्गशीष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी एवं चर्तुदशी, युगाब्ध-5125, वि.सं. 2080
तद्नुसार 7 एवं 8 अक्टूबर, 2023 ई.

सेवा में,

_____

_____

_____

प्रेषक :
डॉ. प्रदीप कुमार राव
प्राचार्य/अध्यक्ष, आयोजन समिति
महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर-273 014

Website : www.mpm.edu.in
E-mail : nationalseminarnep@mpm.ac.in

परामर्शदात्री समिति

प्रो. डी.पी. सिंह
पूर्व अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
शिक्षा सलाहकार, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश शासन

प्रो. रमाशंकर दुबे
कुलपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय
गुजरात

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
कुलपति, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय
अमरकंटक, छत्तीसगढ़

प्रो. के.एन. सिंह
कुलपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय
दक्षिणी बिहार, गया, बिहार

मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई
कुलपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय
गोरखपुर

प्रो. हरिकेश सिंह
पूर्व कुलपति, सी.जे.पी. विश्वविद्यालय
छपरा, बिहार

प्रो. मज़हर आसिफ
प्रोफेसर एवं डीन, स्कूल आफ लैंग्वेज लिट्रेचर एण्ड कल्चर स्टडीज,
जे.एन.यू., नई दिल्ली

प्रो. हरिशंकर सिंह
अध्यक्ष एवं डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन
बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उ.प्र.

प्रो. शोभा गौड़
अध्यक्ष एवं डीन, शिक्षा संकाय
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

प्रो. राजशरण शाही
शिक्षाशास्त्र विभाग
बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

डॉ. वी. रामानाथन
सहायक आचार्य, आई.आई.टी., बी.एच.यू.
वाराणसी, उ.प्र.

डॉ. रामानन्द
निदेशक, सेंटर फार पालिसी रिसर्च एण्ड गर्वनेंस
नई दिल्ली

आयोजन समिति

मुख्य संरक्षक

पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज
मा. मुख्यमंत्री, उ.प्र. शासन
प्रबन्धक, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

संरक्षक

प्रो. उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ.प्र.

प्रो. पूनम टण्डन
कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र.

अध्यक्ष

डॉ. प्रदीप कुमार राव
प्राचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

संयोजक/सचिव

शिप्रा सिंह
अध्यक्ष, बी.एड्. विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

सदस्य

डॉ. विजय चौधरी
श्री नन्दन शर्मा
श्रीमती पुष्पा निषाद
सुश्री दीप्ति गुप्ता
डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय
श्रीमती विभा सिंह
श्री रमाकान्त दूबे
डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय
डॉ. नीलम गुप्ता
डॉ. अभय प्रताप सिंह
डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह
श्री अभिनव त्रिपाठी
श्री अभिषेक त्रिपाठी
श्री उपेन्द्र मणि त्रिपाठी
श्री अनूप कुमार पाण्डेय
श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
श्री रितेन्द्र नाथ पाण्डेय
श्री भारत कुमार
श्री विवेक विश्वकर्मा
सुश्री साक्षी चौबे
डॉ. आरती सिंह
डॉ. सुबोध कुमार मिश्र
डॉ. मंजेश्वर
डॉ. अनुभा श्रीवास्तव
श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह
श्री जितेन्द्र कुमार प्रजापति
डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय
डॉ. शालू श्रीवास्तव
डॉ. सुधा शुक्ला
श्री हरिकेश यादव
सुश्री रितिका त्रिपाठी
श्री अरविन्द कुमार मौर्य
डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल
श्रीमती श्वेता
डॉ. दीपशिखा नागवंशी
सुश्री शिवानी सिंह
डॉ. अर्चना गुप्ता
डॉ. भावना पाण्डेय
डॉ. संदीप श्रीवास्तव
सुश्री स्मृति सिंह

जननी जन्मभूमिश्च
स्वर्गादपि गरीयसी
जो हठि राखै धर्म को,
तिहिं राखै करतार

बी.एड्. विभाग
महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर के
तत्वावधान में

राष्ट्रीय शिक्षा नीति : संकल्प से सिद्धि तक

विषय पर आयोजित
दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

मार्गशीष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी एवं चर्तुदशी, युगाब्ध-5125, वि.सं. 2080
तद्नुसार 7 एवं 8 अक्टूबर, 2023 ई.

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़ - गोरखपुर
नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

Website : www.mpm.edu.in
E-mail : nationalseminarnep@mpm.ac.in

राष्ट्रीय शिक्षा नीति : संकल्प से सिद्धि तक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की संकल्पना क्रमशः साकार हो रही है। शिक्षा को राष्ट्र निर्माण के एक महत्त्वपूर्ण माध्यम के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस शिक्षा नीति को लागू हुए तीन वर्ष पूरे हो चुके हैं। विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के कार्यान्वयन पर अत्यन्त प्रयत्न हो रहे हैं। भारत सरकार एवं राज्य सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन को लेकर अत्यन्त गम्भीर हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के कार्यान्वयन को सीधे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा मानिटरिंग किया जा रहा है। अतः राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के कार्यान्वयन पर अनवरत विचार विमर्श एवं अनुभव आधारित सुझाव आवश्यक एवं महत्त्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का यह चौथा वर्ष हमें आत्म मूल्यांकन का एक अवसर प्रदान करता है। जिसमें हमें देखना है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन की दिशा क्या हैं, और यह किस प्रकार हमारी नई पीढ़ी को गढ़ने जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा के उद्देश्य एवं लक्ष्य को पुनः परिभाषित किया है। हमारा देश, जो अपने में अथाह ज्ञान का भण्डार समाए हुए है, उन ज्ञान रश्मियों को पुनः पाने एवं उन्हें जन–जन तक पहुँचाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 भाषा, रचनात्मक संकल्पना एवं संवेदनात्मक तत्वों पर विशेषतः जोर दे रही है। यह सत्य है कि मनुष्य के व्यक्तित्व में सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों तत्व समाहित होते हैं। वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया में नकारात्मक तत्वों को क्षींण कर, सकारात्मक विकास की प्रक्रिया को तीव्र करने की दिशा में अग्रसर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत ऐसे पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं, जिनसे छात्रों के भीतर अपनी संस्कृति, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, जीवन मूल्य का विकास हो सके तथा संगीत और अन्य कला के माध्यम से उनकी रचनात्मकता एवं संवेदना को परिष्कृत किया जा सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भीतर से खोती जा रही मौलिकता को वापस लौटाने की वृहत्तर परियोजना है।

किसी भी नीति की प्रभावशीलता उसके कार्यान्वयन पर निर्भर करती है। ऐसे में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को अपने संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर करने पर विचार विमर्श करने हेतु महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर ने **''राष्ट्रीय शिक्षा नीति : संकल्प से सिद्धि तक''** विषय पर 7–8 अक्टूबर 2023 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी कराने का निर्णय लिया है। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधार्थी संगोष्ठी के विविध आयामों के किसी भी विषय/शीर्षक पर अपना शोध पत्र दे सकते हैं। सुविधा की दृष्टि से उपरोक्त विषय को निम्न उपविषयों/शीर्षकों में विभाजित किया गया है–

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 तथा प्राथमिक शिक्षा।
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्कूली शिक्षा प्रणाली एवं उसके कार्यान्वयन की दिशा।
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति में गुणवत्तापूर्ण विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयी शिक्षा का स्वरूप एवं कार्यान्वयन की दिशा।
4. राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की अद्यतन विकास यात्रा।
5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षक शिक्षा और उसके कार्यान्वयन की दिशा।
6. राष्ट्रीय शिक्षा नीति में व्यावसायिक शिक्षा का कार्यान्वयन।
7. राष्ट्रीय शिक्षा नीति और स्वास्थ्य शिक्षा।
8. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में तकनीकी शिक्षा।
9. राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दूरस्थ शिक्षा।
10. राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परीक्षा एवं मूल्यांकन।
11. राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शोध।

शोध–प्रपत्र

संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध–प्रपत्र/आलेख में विषय वस्तु का उद्देश्य, सार–संक्षेप, बीज शब्द, प्रयुक्त विधितन्त्र एवं निष्कर्ष का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। सूचना प्रपत्र में निर्दिष्ट विषयों की सीमा में ही शोध–प्रपत्र स्वीकृत किये जायेंगे। शोध–पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में स्वीकृत होंगे। शोध–पत्र/आलेख लगभग 2500 शब्दों में होना चाहिए तथा 15 सितम्बर 2023 तक ई–मेल nationalseminarnep@mpm.ac.in पर पहुँच जाना चाहिए। शोध–पत्र ए–4 आकार के कागज पर कम्पोज होना चाहिए। हिन्दी भाषा के शोध–पत्र वॉकमैन चाणक्या प्रारूप में फॉन्ट साइज 14 में तथा अंग्रेजी भाषा के शोध –पत्र टाइम्स न्यू रोमन प्रारूप में फॉन्ट साइज 12 में होने चाहिए।

पंजीयन

पंजीयन शुल्क शोधार्थियों हेतु रू. 500/– तथा प्राध्यापकों हेतु रू. 700/– निर्धारित है। आमंत्रित अतिथियों/ विषय–विशेषज्ञों को पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। पंजीयन शुल्क बैंक ड्राफ्ट के रूप में **'प्राचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़'** के नाम से अथवा नकद संगोष्ठी के समय पंजीकरण के दौरान देय अनुमन्य होगा।

यात्रा/आवास/भोजन–व्यवस्था

आमंत्रित अतिथियों एवं विषय विशेषज्ञों को उनके आने–जाने का व्यय आयोजन समिति द्वारा देय होगा। सभी के आवास एवं भोजन की व्यवस्था आयोजकों की ओर से निःशुल्क रहेगी किन्तु आने की पूर्व सूचना देना आवश्यक है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद : एक दृष्टि में

जब देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। स्वतंत्रता संग्राम के एक सशक्त सिपाही महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की 1932 ई. में स्थापना कर शिक्षा–स्वास्थ्य को सेवा का पर्याय बनाया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा सिविल लाइन्स, गोरखपुर में महाराणा प्रताप इण्टर कालेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का पहला कदम था।

महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला डिग्री कॉलेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। तदनन्तर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने दोनों महाविद्यालयों को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का परिसर आज भी 'महाराणा प्रताप परिसर' के नाम से जाना जाता है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में चार दर्जन से अधिक शिक्षण–प्रशिक्षण, चिकित्सा, तकनीकी तथा सेवा संस्थाएँ संचालित हो रहीं हैं। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के प्रबंधक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, की स्पष्ट दृष्टि है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना लोक कल्याणार्थ शिक्षा को सेवा एवं साधना का माध्यम बनाने के लिए की गई। इस संस्था का दर्शन एवं लक्ष्य है कि इस संस्था से अध्ययन करने वाला युवा अत्याधुनिक ज्ञान–विज्ञान तथा कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ–साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति सहज निष्ठा और श्रद्धा का पाठ पढ़े। भारतीय जीवन दर्शन का वह अनुगामी बनें। उनका कहना है कि प्रगति और परम्परा राष्ट्रीय–सामाजिक विकास रथ के दो पहिये हैं, ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों, सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग के साथ अध्यापन तथा भारतीय जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना इस महाविद्यालय का मिशन है।

गोरखपुर

गोरखपुर महायोगी गुरु गोरखनाथ की तपोभूमि है। यह नगर उत्तर–पूर्व रेलवे का मुख्यालय होने के कारण देश के लगभग सभी शिक्षा केन्द्रों/ महानगरों से रेल, सड़क तथा वायु मार्ग से जुड़ा हुआ है। नगर के पार्श्व में अनेक दर्शनीय एवं ऐतिहासिक स्थल स्थित हैं। भगवान बुद्ध का गृहनगर कपिलवस्तु (सिद्धार्थनगर जनपद में स्थित वर्तमान पिपहरवा) यहाँ से लगभग 90 किमी. की दूरी पर है। गोरखपुर नगर से भगवान बुद्ध की निर्वाण–स्थली कुशीनगर 50 किमी. की दूरी पर स्थित है। मध्ययुगीन सन्त एवं समाज सुधारक तथा हिन्दू–मुस्लिम एकता के पोषक सन्त कबीर की निर्वाण स्थली मगहर यहाँ से 20 किमी. दूरी पर स्थित है। यहाँ से नेपाल सीमा की दूरी लगभग 100 किमी. है। नेपाल के दर्शनीय स्थलों के भ्रमण के लिए सड़क–मार्ग से सुगमतापूर्वक जाया जा सकता है। काठमाण्डु गोरखपुर से 400 किमी. की दूरी पर है। इन समस्त स्थलों की यात्रा बस अथवा टैक्सी द्वारा सरलतापूर्वक की जा सकती है। नगर–क्षेत्र में भी अनेक दर्शनीय स्थल हैं, जिनमें गोरखनाथ–मंदिर, गीता वाटिका, गीता प्रेस, विष्णु मंदिर आदि प्रमुख हैं। अक्टूबर माह में गोरखपुर का मौसम वर्षा से परिपूर्ण एवं आर्द्र रहता है। तापमान सामान्य बना रहता है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

विषय - राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० : संकल्प से सिद्धि तक

आश्विन कृष्ण अष्टमी से आश्विन कृष्ण नवमी, सम्वत् २०८०
शनिवार, 07 अक्टूबर, 2023 से रविवार, 08 अक्टूबर 2023

अतिथि

उद्घाटन

तिथि : 07 अक्टूबर, 2023
समय : पूर्वाह्न 10:00 बजे

अध्यक्ष
प्रो. पूनम टण्डन
कुलपति
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

मुख्य अतिथि
प्रो. हरिकेश सिंह
विजिटर
गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय
सासाराम, बिहार

विशिष्ट अतिथि
प्रो. शोभा गौड़
अध्यक्ष, शिक्षा संकाय
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

समारोप

तिथि : 08 अक्टूबर, 2023
समय : अपरान्ह् 02 बजे

अध्यक्ष
प्रो. जे.पी. सैनी
कुलपति
मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर

मुख्य अतिथि
श्री रामानन्द
डायरेक्टर
सेन्टर ऑफ पालिसी रिसर्च एण्ड गवर्नेंस, नई दिल्ली

विशिष्ट अतिथि
प्रो. अश्विनी कुमार मिश्र
क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारी
गोरखपुर

कार्यक्रम में आप सादर आमंत्रित है

बी.एड्. विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज

जंगल धूसड़, गोरखपुर

☎ 9794299451 • Website : www.mpm.edu.in • E-mail : mpmpg5@gmail.com

राष्ट्रीय संगोष्ठी

विषय - राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० : संकल्प से सिद्धि तक

कार्यक्रम विवरण

07 अक्टूबर, 2023

पंजीकरण	–	प्रातः	08:30 बजे
अल्पाहार	–	प्रातः	08:30 से 09:30 बजे
उद्घाटन	–	प्रातः	10:00 से 11:30 बजे
भोजन	–	दोपहर	12:00 से 01:00 बजे
प्रथम तकनीकी सत्र	–	अपरान्ह्	01:30 से 02:30 बजे
चाय	–	अपरान्ह्	02:45 से 03:15 बजे
द्वितीय तकनीकी सत्र	–	अपरान्ह्	03:15 से 04:30 बजे
चाय–जलपान	–	अपरान्ह्	04:30 से 05:00 बजे

08 अक्टूबर, 2023

अल्पाहार	–	प्रातः	08:30 से 09:15 बजे
तृतीय तकनीकी सत्र	–	प्रातः	09:30 से 10:45 बजे
चाय	–	अपरान्ह्	10:45 से 11:45 बजे
चतुर्थ तकनीकी सत्र	–	अपरान्ह्	11:15 से 12:30 बजे
भोजन	–	अपरान्ह्	12:30 से 01:30 बजे
समारोप	–	अपरान्ह्	02:00 से 03:30 बजे
चाय–जलपान	–	अपरान्ह्	03:30 से 04:30 बजे

बी.एड्. विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज

जंगल धूसड़, गोरखपुर

9794299451 • Website : www.mpm.edu.in • E-mail : mpmpg5@gmail.com

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451
Website : www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित 2005 ई.

बी.एड्. विभाग

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर, द्वारा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : संकल्प से सिद्धि तक

विषय पर आयोजित दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

आश्विन कृष्ण अष्टमी एवं नवमी, युगाब्ध–5125, वि.सं. 2080 तद्नुसार

07 एवं 08 अक्टूबर, 2023 ई0

उद्घाटन 07 अक्टूबर 2023

कार्यक्रम स्थल : श्री राम सभागार

मंचासीन अतिथि

अध्यक्ष – प्रो. पूनम टण्डन, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

मुख्य अतिथि – प्रो. हरिकेश सिंह, कुलाध्यक्ष, गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, सासाराम, बिहार

विशिष्ट अतिथि – प्रो. शोभा गौड़, संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर

स्वागत एवं प्रस्ताविकी – डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

संचालन – शिप्रा सिंह, अध्यक्ष, बी.एड्. विभाग महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

क्षण अनुक्षण

मंच आमंत्रण, दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि	–	10.00
सरस्वती वन्दना	–	10.00–10.02
अतिथि परिचय एवं स्वागत *(संचालक द्वारा)*	–	10.02–10.06
स्मृति चिह्न द्वारा अतिथियों का सम्मान *(प्राचार्य द्वारा)*	–	10.06–10.08
कुलगीत	–	10.08–10.10
स्वागत एवं प्रस्ताविकी *(प्राचार्य द्वारा)*	–	10.10–10.15
संकल्प गीत	–	10.15–10.17
उद्बोधन *(विशिष्ट अतिथि)*	–	10.17–10.32
उद्बोधन *(मुख्य अतिथि)*	–	10.32–10.50
महाविद्यालय बोधगीत *(निर्माणों के पावन युग में...)*	–	10.50–10.52
अध्यक्षीय उद्बोधन	–	10.52–11.27
वन्देमातरम्	–	11.27–11.30

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

बी.एड्. विभाग

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर, द्वारा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : संकल्प से सिद्धि तक

विषय पर आयोजित दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

आश्विन कृष्ण अष्टमी एवं नवमी, युगाब्ध–5125, वि.सं. 2080 तद्नुसार

07 एवं 08 अक्टूबर, 2023 ई0

कार्यक्रम स्थल : श्री राम सभागार

प्रथम तकनीकी सत्र 07 अक्टूबर, 2023

समय – अपराहन् : 01.30–02.45

मंचासीन अतिथि

अध्यक्ष – प्रो. सुधीर श्रीवास्तव, आचार्य, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर

सह–अध्यक्ष – डॉ. सुभाष चन्द्र, आचार्य, बी.एड्. विभाग, दिग्वियजनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर

प्रतिवेदन – डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता, सहा. आचार्य वनस्पति विज्ञान, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

संचालन – डॉ. आरती सिंह, अध्यक्ष हिन्दी. विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

क्षण अनुक्षण

मंच आमंत्रण	–	01.30
अतिथि परिचय एवं स्वागत	–	01.30–01.32
स्मृति चिह्न द्वारा अतिथियों का सम्मान *(प्रतिवेदक द्वारा)*	–	01.32–01.34
शोध–पत्र वाचन		
1. **श्री भारत कुमार** (Crictical Study of Education 4.0 in the National Educational Policy)	–	01.34–01.39
2. **सुश्री गरिमा यादव** (राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्कूलीय शिक्षा प्रणाली एवं उसके कार्यान्वयन की दिशा)	–	01.39–01.44
3. **डॉ. लक्ष्मी वर्मा** (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा प्राथमिक शिक्षा)	–	01.44–01.49
4. **श्रीमती पुष्पा निषाद** (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में प्राथमिक शिक्षा)	–	01.49–01.55
5. **डॉ. सुधा शुक्ल** (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और प्राथमिक शिक्षा)	–	01.55–02.00
उद्बोधन, *(सह–अध्यक्ष)*	–	02.00–02.18
अध्यक्षीय उद्बोधन	–	02.18–02.45

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451
Website : www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी
स्थापित 2005 ई.

बी.एड्. विभाग

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर, द्वारा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : संकल्प से सिद्धि तक

विषय पर आयोजित दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

आश्विन कृष्ण अष्टमी एवं नवमी, युगाब्ध–5125, वि.सं. 2080 तद्नुसार

07 एवं 08 अक्टूबर, 2023 ई0

कार्यक्रम स्थल : श्री राम सभागार

द्वितीय तकनीकी सत्र 07 अक्टूबर, 2023

समय – अपराहन् : 03.15 – 04.30

मंचासीन अतिथि

अध्यक्ष	–	प्रो. एन.पी. भोक्ता, पूर्व संकायाध्यक्ष, शिक्षासंकाय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर
सह–अध्यक्ष	–	डॉ. मीतू सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षासंकाय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर
प्रतिवेदन	–	डॉ. शालू श्रीवास्तव, सहायक आचार्य, भूगोल. विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
संचालन	–	डॉ. वेंकट रमन, प्रभारी मनोविज्ञान विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

क्षण अनुक्षण

मंच आमंत्रण	–	03.15
अतिथि परिचय एवं स्वागत	–	03.15–03.17
स्मृति चिह्न द्वारा अतिथियों का सम्मान *(प्रतिवेदक द्वारा)*	–	03.17–03.19
शोध–पत्र वाचन		
1. डॉ. अनुभा श्रीवास्तव (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीयता एवं भारतीय ज्ञान परम्परा)	–	03.19–03.24
2. श्री जितेन्द्र कुमार प्रजापति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : अवसर और चुनौतियाँ)	–	03.24–03.29
3. सुश्री प्रतिभा यादव (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में व्यावसायिक शिक्षा का कार्यान्वयन)	–	03.29–03.34
4.	–	03.34–03.40
उद्बोधन, *(सह–अध्यक्ष)*	–	03.40–04.00
अध्यक्षीय उद्बोधन	–	04.00–04.30

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

बी.एड्. विभाग

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर, द्वारा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : संकल्प से सिद्धि तक

विषय पर आयोजित दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

आश्विन कृष्ण अष्टमी एवं नवमी, युगाब्ध–5125, वि.सं. 2080 तद्नुसार

07 एवं 08 अक्टूबर, 2023 ई0

कार्यक्रम स्थल : श्री राम सभागार

तृतीय तकनीकी सत्र 08 अक्टूबर, 2023

समय – पूर्वाह्न : 09.30 – 10.45

मंचासीन अतिथि

अध्यक्ष – प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा, आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर

सह–अध्यक्ष – डॉ. राजेश कुमार सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षासंकाय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर

प्रतिवेदन – श्रीमती दिव्या दूबे सहायक आचार्य, रसायानशास्त्र विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

संचालन – श्री अभिषेक कुमार त्रिपाठी, सहायक आचार्य, बी.एड्.. विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

क्षण अनुक्षण

मंच आमंत्रण	–	09.30
अतिथि परिचय एवं स्वागत	–	09.30–09.32
स्मृति चिह्न द्वारा अतिथियों का सम्मान *(प्रतिवेदक द्वारा)*	–	09.32–09.34
शोध–पत्र वाचन		
1. **श्रीमती अर्पिता सिंह** (National Education Policy 2020 : Distance Education)	–	09.34–09.38
2. **श्रीमती विभा सिंह** (राष्ट्रीय शिक्षा नीति में गुणवत्तापूर्ण विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षा का स्वरूप एवं कार्यान्वयन की दिशा का समीक्षात्मक अध्ययन)	–	09.38–09.42
3. **श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह** (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : उच्च शिक्षा के सन्दर्भ में)	–	09.42–09.46
4. **सुश्री प्रिया वर्मा** (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अद्यतन विकास यात्रा)	–	09.46–09.50
5. **सुश्री दीप्ति गुप्ता** (विद्यार्थी हित के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भूमिका)	–	09.50–09.54
उद्बोधन, *(सह–अध्यक्ष)*	–	09.54–10.15
अध्यक्षीय उद्बोधन	–	10.15–10.45

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित 2005 ई.

बी.एड्. विभाग

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर, द्वारा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : संकल्प से सिद्धि तक

विषय पर आयोजित दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

आश्विन कृष्ण अष्टमी एवं नवमी, युगाब्ध–5125, वि.सं. 2080 तद्नुसार

07 एवं 08 अक्टूबर, 2023 ई0

कार्यक्रम स्थल : श्री राम सभागार

चतुर्थ तकनीकी सत्र 08 अक्टूबर, 2023

समय – पूर्वाह्न : 11.15 – अपराह्न : 12.30

मंचासीन अतिथि

अध्यक्ष – प्रो. कीर्ति पाण्डेय, अधिष्ठाता, कला संकाय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर

सह–अध्यक्ष – डॉ. लक्ष्मण सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षासंकाय, जे.बी. महाजन कालेज, चौरी–चौरा, गोरखपुर

प्रतिवेदन – श्री विवेक विश्वकर्मा, सहायक आचार्य, रक्षा अध्ययन विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

संचालन – श्री अनूप कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

क्षण अनुक्षण

मंच आमंत्रण	–	11.15
अतिथि परिचय एवं स्वागत	–	11.15–11.17
स्मृति चिह्न द्वारा अतिथियों का सम्मान *(प्रतिवेदक द्वारा)*	–	11.17–11.19
शोध–पत्र वाचन		
1. **कु. यशोदा** (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में तकनीकी शिक्षा)	–	11.19–11.24
2. **श्री आद्या कुमार** (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : अध्यापक शिक्षा एवं कार्यान्वयन का विश्लेषणात्मक अध्ययन)	–	11.24–11.29
3. **श्री अभिषेक त्रिपाठी** (राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समावेशी शिक्षा प्रणाली एवं उसका कार्यान्वयन)	–	11.29–11.34
उद्बोधन, *(सह–अध्यक्ष)*	–	11.34–12.00
अध्यक्षीय उद्बोधन	–	12.00–12.30

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451
Website : www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित 2005 ई.

बी.एड्. विभाग

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर, द्वारा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : संकल्प से सिद्धि तक

विषय पर आयोजित दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

आश्विन कृष्ण अष्टमी एवं नवमी, युगाब्ध–5125, वि.सं. 2080 तद्नुसार

07 एवं 08 अक्टूबर, 2023 ई0

समारोप 08 अक्टूबर 2023

कार्यक्रम स्थल : श्री राम सभागार

मंचासीन अतिथि

अध्यक्ष – प्रो. जे.पी. सैनी, कुलपति, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर

मुख्य अतिथि – श्री रामानन्द, निदेशक, सेंटर ऑफ पॉलिसी, रिसर्च एण्ड गवर्नेंस, नई दिल्ली

विशिष्ट अतिथि – प्रो. अश्वनी कुमार मिश्र, क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारी, गोरखपुर

संगोष्ठी प्रतिवेदन – शिप्रा सिंह, अध्यक्ष, बी.एड्. विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

संचालन – डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, सहा.आ., बी.एड्. विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

क्षण अनुक्षण

मंच आमंत्रण, दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि	–	02.00
सरस्वती वन्दना	–	02.00–02.02
अतिथि परिचय एवं स्वागत *(संचालक द्वारा)*	–	02.02–02.05
स्मृति चिह्न द्वारा अतिथियों का सम्मान *(शिप्रा सिंह द्वारा)*	–	02.05–02.06
कुलगीत	–	02.06–02.08
संगोष्ठी प्रतिवेदन *(शिप्रा सिंह द्वारा)*	–	02.08–02.13
संकल्प गीत	–	02.13–02.15
उद्बोधन *(विशिष्ट अतिथि)*	–	02.15–02.35
उद्बोधन *(मुख्य अतिथि)*	–	02.35–02.57
महाविद्यालय बोधगीत *(निर्माणों के पावन युग में)*	–	02.57–03.00
अध्यक्षीय उद्बोधन	–	03.00–03.27
वन्देमातरम्	–	03.27–03.30

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

बी.एड्. विभाग

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर, द्वारा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : संकल्प से सिद्धि तक

विषय पर आयोजित दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

आश्विन कृष्ण अष्टमी एवं नवमी, युगाब्ध–5125, वि.सं. 2080 तद्नुसार

07 एवं 08 अक्टूबर, 2023 ई0

उदघाटन 07 अक्टूबर, 2023

संगोष्ठी संक्षिप्तिका

आयोजन स्थल : श्री राम सभागार

07 अक्टूबर, 2023

पंजीकरण	प्रातः 08:30 से
चाय–जलपान	प्रातः 08.30 से 09:30 बजे
उद्घाटन	प्रातः 10:00 से 11:30 बजे
भोजन	दोपहर 12:00 से 01:00 बजे
प्रथम तकनीकी सत्र	अपराह्न 01:30 से 02:45 बजे
चाय	अपराह्न 02:45 से 03:15 बजे
द्वितीय तकनीकी सत्र	अपराह्न 03:15 से 04:30 बजे
चाय–जलपान	सायं 04:30 से 05:00 बजे

08 अक्टूबर, 2023

चाय–जलपान	प्रातः 08:30 से 09:15 बजे
तृतीय तकनीकी सत्र	प्रातः 09:30 से 10:45 बजे
चाय	प्रातः 10:45 से 11:15 बजे
चतुर्थ तकनीकी सत्र	अपराह्न 11:15 से 12:30 बजे
भोजन	अपराह्न 12:30 से 01:30 बजे
समापन	अपराह्न 02:00 से 03.30 बजे
चाय–जलपान	सायं 03.30 से 04.30 बजे

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
गोरखपुर
शनिवार
7 अक्टूबर 2023
07

एमपीपीजी कॉलेज में संगोष्ठी आज से

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में बीएड विभाग के तत्वावधान में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 : संकल्प से सिद्धि तक' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन शनिवार को होगा। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, सासाराम के कुलाध्यक्ष प्रो. हरिकेश सिंह होंगे। अध्यक्षता डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने राष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारियों का जायजा लिया। संयोजक शिप्रा सिंह ने कहा कि इसमें देश भर के शिक्षाविद एवं प्रमुख विद्वान शामिल होंगे।

अमर उजाला
amarujala.com
गोरखपुर | शनिवार, 7 अक्टूबर 2023
7

एमपीपीजी कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

गोरखपुर। एमपी कॉलेज जंगल धूसड़ में बीएड विभाग के तत्वावधान में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: संकल्प से सिद्धि तक' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन शनिवार सुबह 10 बजे से होगा। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने तैयारियों का जायजा लिया। संगोष्ठी की संयोजक एवं बीएड विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह ने कहा कि संगोष्ठी में देशभर के शिक्षाविद एवं प्रमुख विद्वान अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। संवाद

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
4
गोरखपुर, शनिवार, 07 अक्टूबर, 2023

आज होगा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशद मंथन

☐ एमपी पीजी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति संकल्प से सिद्धि तक विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की होगी शुरूआत

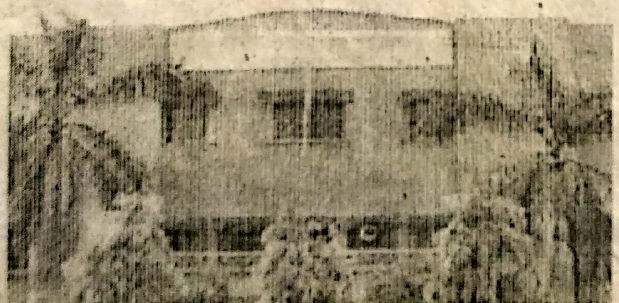

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय,जंगल धूसड़ में बी.एड., विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 संकल्प से सिद्धि तक विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन आज से शुरू होगा। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, सासाराम, बिहार के कुलाध्यक्ष एवं जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह उपस्थित होंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में. शिक्षा संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. शोभा गौड़ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के शिक्षाविद एवं प्रमुख विद्वान अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे तथा प्रत्येक सत्रों में शोधार्थियों, शिक्षकों तथा विद्वतजन द्वारा शोधपत्र प्रस्तुत किए जायेंगे विश्वविद्यालय गोरखपुर के शिक्षा संकाय के पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. एन.पी. भोक्ता एवं सहायक आचार्य डॉ. मीतू सिंह का सानिध्य प्राप्त होगा।

इन बिंदुओं पर होगा मंथन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा प्राथमिक शिक्षा,राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्कूली शिक्षा प्रणाली एवं उसके कार्यान्वयन की दिशा,

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शोध, तकनीकी शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, शिक्षक शिक्षा और स्वास्थ्य,राष्ट्रीय शिक्षा नीति में गुणवत्तापूर्ण विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयीय शिक्षा का स्वरूप एवं कार्यान्वयन की दिशा।

Scanned with OKEN Scanner

गोरखपुर । शनिवार • 7 अक्टूबर • 2023 | राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

एमपीपीजी कालेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

गोरखपुर (एसएनबी)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ गोरखपुर में बीएड विभाग के तत्वावधान में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: संकल्प से सिद्धि तक' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 7 अक्टूबर, शनिवार को सुबह 10 बजे से होगा। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय संगोष्ठी को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

आयोजन की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजक एवं बीएड विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने बताया कि उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय सासाराम बिहार के कुलाध्यक्ष एवं जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह उपस्थित होंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में शिक्षा संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो.शोभा गौड़ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्वपूर्ण पहलुओं पर होगा विशद मंथन

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के शिक्षाविद एवं प्रमुख विद्वान अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे तथा प्रत्येक सत्रों में शोधार्थियों, शिक्षकों तथा विद्वतजन द्वारा शोधपत्र प्रस्तुत किए जायेंगे। राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रो. सुधीर श्रीवास्तव, डॉ. सुभाष चन्द्र, प्रो. एनपी भोक्ता, प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा, डॉ. राजेश कुमार सिंह, डॉ.शैलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. लक्ष्मण सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

समापन समारोह में सेंटर ऑफ पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस नई दिल्ली के निदेशक रामानंद तथा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. जेपी सैनी एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी गोरखपुर प्रो. अश्वनी कुमार मिश्र उपस्थित रहेंगे।

इन बिंदुओं पर होगा मंथन: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा प्राथमिक शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्कूली शिक्षा प्रणाली एवं उसके कार्यान्वियन की दिशा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शोध, तकनीकी शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, शिक्षक शिक्षा और स्वास्थ्य, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में गुणवत्तापूर्ण विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयीय शिक्षा का [illegible]रूप एवं कार्यान्वियन की दिशा।

amarujala.com | गोरखपुर | रविवार, 8 अक्तूबर 2023 | 6

उच्च शिक्षा के परिदृश्य में मूलभूत परिवर्तन का आगाज है राष्ट्रीय शिक्षा नीति

महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति : संकल्प से सिद्धि तक' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

गविवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन को स्मृति चिह्न देते डॉ. प्रदीप राव। अमर उजाला

गोरखपुर। गोविवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के शुभारंभ से भारतीय शिक्षा में एक नए युग की शुरुआत होगी, जो पहले से काफी बेहतर होगा और यह एक नए भविष्य का निर्माण करेगी। यह एक उत्कृष्ट दूरदृष्टि का परिणाम है और एक प्रेरणादायक नीति दस्तावेज है, जो भारतीय उच्च शिक्षा के परिदृश्य में एक मूलभूत परिवर्तन का आगाज करेगा।

प्रो. टंडन शनिवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के बीएड विभाग के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: संकल्प से सिद्धि तक' के शुभारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि ने समारोह का शुभारंभ अध्यक्षता कर रहे गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय सासाराम बिहार के कुलाध्यक्ष प्रो. हरिकेश सिंह, विशिष्ट अतिथि गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. शोभा गौड के साथ मां सरस्वती और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप जलाकर किया।

कुलाध्यक्ष प्रो. हरिकेश सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना है। विशिष्ट अतिथि गोविवि के शिक्षा संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. शोभा गौड़ ने कहा कि प्रत्येक राष्ट्र अपने सामाजिक सांस्कृतिक स्थितियों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयत्न करता रहता है और यह शिक्षा के माध्यम से संभव होता है। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थी केंद्रित है। अतिथियों को स्मृतिचिह्न देकर स्वागत किया।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
गोरखपुर रविवार
8 अक्तूबर 2023
07

लोक कल्याण के संकल्प से परिपूर्ण है राष्ट्रीय शिक्षा नीति : प्रो. हरिकेश सिंह

गोरखपुर, निज संवाददाता। गोपाल नारायन सिंह विवि सासाराम के कुलाध्यक्ष प्रो. हरिकेश सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का लक्ष्य भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना है। यह नीति लोक कल्याण के संकल्प से परिपूर्ण है। स्वतंत्रता के बाद से यह भारत के शिक्षा ढांचे में बड़ा सुधार है।

शनिवार को एमपी पीजी जंगल धूसड़ में प्रो. हरिकेश सिंह को सम्मानित करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव। साथ में डीडीयू की वीसी प्रो. पूनम टंडन।

प्रो. हरिकेश सिंह शनिवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के बीएड विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: संकल्प से सिद्धि तक' के शुभारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कहा कि भारतीय शिक्षकों ने एनईपी लागू करने और इस अनुरूप पढ़ाने जैसी नई चुनौतियों को स्वीकार कर शैक्षिक परिदृश्य में एक नई रोशनी दिखाई है। उद्घाटन सत्र का संचालन उप प्राचार्य शिप्रा सिंह ने किया। वहीं, अध्यक्षता करते हुए डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि एनईपी एक उत्कृष्ट दूरदृष्टि का परिणाम है। हर महाविद्यालय अपने यहां एक हैप्पीनेस सेंटर खोलें, जिससे विद्यार्थियों की मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति को बेहतर किया जा सके। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रस्ताविकी रखते हुए कहा कि एनईपी विद्यार्थी केंद्रित है। यह नीति दिग्विजयनाथ ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर संकल्पित कर रखी थी।

दैनिक जागरण गोरखपुर, 8 अक्टूबर, 2023
गोरखपुर जागरण

भारतीय शिक्षा में नए युग की शुरुआत है एनईपी

महाराणा प्रताप पीजी कालेज में आयोजित संगोष्ठी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर हुआ मंथन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) उत्कृष्ट दूरदृष्टि का परिणाम है। यह ऐसा प्रेरणादायी दस्तावेज है, जो भारतीय शिक्षा के परिदृश्य में सकारात्मक मूलभूत परिवर्तन का कारक बनेगा। यह शिक्षा के क्षेत्र में नए युग की शुरुआत है। कुलपति शनिवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : संकल्प से सिद्धि तक' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के बीएड विभाग की ओर से शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित छात्र-छात्राएं। जागरण

राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करतीं गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन तथा मंच पर उपस्थित प्रो. हरिकेश सिंह, प्रो. शोभा गौड़ व अन्य जागरण

कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के केंद्र में विद्यार्थी हैं। यह विद्यार्थियों के लिए रोजगार का मार्ग प्रशस्त करने वाली नीति है। इसका एक उद्देश्य भारतीय शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण भी है, जिससे विदेशी विद्यार्थियों के बीच देश के शिक्षण संस्थानों के प्रति आकर्षण बढ़ाना है। प्रो. टंडन ने सभी महाविद्यालयों से अपने परिसर में हैप्पीनेस सेंटर स्थापित करने की अपील की। कहा कि विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इसका प्रविधान भी किया गया है। कार्यक्रम में सासाराम, बिहार के गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष प्रो. हरिकेश सिंह ने कहा कि भारत को वैश्विक ज्ञान का महाशक्ति बनाना है। यह नीति लोक कल्याण के संकल्प से परिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षकों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने और उस अनुरूप पढ़ाने जैसी नई चुनौतियों को स्वीकार कर शैक्षिक परिदृश्य में एक नई रोशनी दिखाई है। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि एनईपी का जो उद्देश्य वर्तमान में फलीभूत हो रहा है, वह महान पुरुषों के संकल्पित शिक्षा नीतियों का परिणाम है। गोरखपुर विश्वविद्यालय की शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. शोभा गौड़ ने कहा कि प्रत्येक राष्ट्र अपनी सामाजिक-सांस्कृतिक स्थितियों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयत्न करता रहता है और यह शिक्षा के माध्यम से संभव होता है। संगोष्ठी में आए अतिथियों का स्वागत करते हुए कालेज के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य नया नहीं है। इसकी नींव महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के जरिये महंत दिग्विजयनाथ ने 1932 में ही रख दी थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में तीन तरीके क्रमशः आध्यात्मिक विकास, बौद्धिक विकास और अकादमिक विकास से विद्यार्थियों के विकास की रूपरेखा तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि कालेज की प्रार्थना सभा की शुरुआत, सप्ताह में एक दिन छात्र द्वारा पढ़ाने की व्यवस्था, हर समिति में छात्रों की मौजूदगी, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम और समावर्तन संस्कार जैसी व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति के केंद्र में है। संचालन उप प्राचार्य शिप्रा सिंह ने किया।

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लोक कल्याण के संकल्प से परिपूर्ण

जंगलधूसड़ (गोरखपुर)। गोपाल नारायन सिंह विश्वविद्यालय, सासाराम, बिहार के कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह ने कहा कि "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना है। यह नीति लोक कल्याण के संकल्प से परिपूर्ण है। स्वतंत्रता के पश्चात् यह भारत के शिक्षा ढाँचे में बड़ा सुधार है।

प्रो. हरिकेश सिंह शनिवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ गोरखपुर के बी. एड. विभाग के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 संकल्प से सिद्धि तक' के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह की अध्यक्ष दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्व विद्यालय, गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन तथा विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. शोभा गौड़ के साथ माँ सरस्वती और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय संगोष्ठी का विधिवत् उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा कि "राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्रमुख विशेषताओं में कला तथा विज्ञान के बीच, पाठ्यचर्या एवं पाठ्येतर गतिविधियों के बीच, व्यावसायिक एवं शैक्षणिक धाराओं के बीच सम्बन्ध पर बल भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर जोर, एक नए राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र की स्थापना तथा वंचित क्षेत्रों और समूहों के लिये एक समावेशन शामिल है आगे उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों की अति महत्वपूर्ण भूमिका है और भारतीय शिक्षकों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने एवं इसके अनुरूप पढ़ाने जैसी नई चुनौतियों को स्वीकार कर शैक्षिक परिदृश्य में एक नई रोशनी दिखाई है।

प्रो. हरिकेश सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश में शिक्षा प्रसार और कौशल विकास हेतु शुचिता, समरसता, संकल्प, संगोष्ठी, संयम और संगम के साथ सिद्ध को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान प्रस्तुत कर रही है। वस्तुतः शिक्षा नीति के माध्यम से लोक कल्याण अर्थ की स्थिति पर पूर्ण हो रही है निज राष्ट्र की होती है और इसमें लोक महत्वपूर्ण होता है इसलिए लोक चित्र और लोक कल्याण इसकी केंद्र में है। आगे उन्होंने ब्यूटीफुल ट्री नामक पुस्तक का जिक्र करते हुए स्पष्ट किया की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तीन लक्ष्य ट्री की संकल्पना को प्रस्तुत करते हैं जिसमें टीचिंग, रिसर्च, एक्सटेंशन के साथ एनसीसी/एनएसएस तत्व आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अध्याय 17 में नेशनल रिसर्च फाउंडेशन का विधिवत उल्लेख है जिसमें रिसर्च की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने शोध को बढ़ावा देने के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति को उच्चतम स्तर तक अनुसंधान की उत्कृष्टता के लिए आवाहन किया, जिससे देश की जीडीपी तथा तथा ग्रास नेशनल हैप्पीनेस में उच्चतम वृद्धि हो सके। आगे उन्होंने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ जी महाराज द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य जो वर्तमान समय में फलीभूत हो रहा है, वह उन महान पुरुषों के संकल्पित शिक्षा नीतियों का परिणाम है। एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने आगे कहा कि किसी काल खंड में महाराज जी द्वारा शिक्षा के उन्नयन के लिए संसद में भेजी गई संस्तुतियें यदि पूर्ण रूप से मान ली गई होती तो भारत का शैक्षिक दृश्य और उत्तम होता, इस संस्तुति को भारत का मैग्नाकार्टा ऑफ इंडियन एजुकेशन कहा गया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कुछ महत्वपूर्ण पक्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस नीति में गवर्नेंस और नेतृत्व पर भी बल दिया गया है जिसमें प्रशासन और संस्था-निर्माण के प्रयासों में गवर्नेंस और नेतृत्व के महत्व पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें संस्था की प्रभावशीलता के सभी पहलू नेतृत्व और प्रशासनिक ढांचों पर निर्भर होंगे।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए हैप्पीनेस सेंटर की आवश्यकता-प्रो. पूनम टंडन राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्व विद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के शुभारंभ से भारतीय शिक्षा में एक नए युग की शुरुआत होगी, जो पहले से काफी बेहतर होगा और एक नये भविष्य का निर्माण करेगा। राष्ट्रीय शिक्षानीति एक उत्कृष्ट दूरदृष्टि का परिणाम है और एक प्रेरणादायक नीति दस्तावेज है जो भारतीय उच्च शिक्षा के परिदृश्य में एक मूलभूत परिवर्तन का आगाज करेगा। इसके तहत भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली की जटिलता और चुनौतियों को ईमानदारी और स्पष्टता के साथ पहचाना गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूरे देश में लागू हो रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य विद्यार्थी केंद्रित है या नीति विद्यार्थियों को रोजगार की स्थिति के लिए भी है। डिजिटल शिक्षा प्रणाली तथा ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली से विद्यार्थियों के कौशल विकास के प्रति भी यह शिक्षा नीति महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण करना है, जिसमें शिक्षा की स्थिति को ऐसा बनाना है जिसमें विदेशी छात्र भी आकर्षित हो सकें। इस शिक्षा नीति के माध्यम से ऐसी कोशिश को भी विकसित करना है जिस देश-विदेश के छत्रपति कर सके। इस संबंध में ऐसी कोशिश डेवलप किए जाएं जिससे टूरिज्म को बढ़ावा मिले और भारतीय परंपरा तथा संस्कृति से लोगों को जोड़ने का अवसर भी मिल सके। हर महाविद्यालय अपने यहां एक हैप्पीनेस सेंटर खोलें जिससे विद्यार्थियों की मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति को बेहतर किया जा सके। इसकी संस्तुति राष्ट्रीय शिक्षा नीति में महत्वपूर्ण रूप से किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति केवल कोर्स करिकुलम तक सीमित ना रह सके इसलिए ऐसे प्रयासों को किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थी का कौशल विकास सुनिश्चित हो सके और आगामी भविष्य भी बेहतर हो सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थी के पढ़ने के लिए ट्रांसफर सिस्टम पर भी बल दिया गया है, जिससे वह किसी दूसरे महाविद्यालय में पढ़ना चाहते हैं, तो वहां अपनी शिक्षा जारी रख सकते हैं। वस्तुत उत्तर प्रदेश देश का प्रथम राज्य है जहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति अग्रणी भूमिका में लागू है। उन्होंने यह भी कहा की यह शिक्षा नीति उत्कृष्टता के उद्देश्य से पूर्ण है, जहां विश्व स्तरीय शिक्षा पर बल दिया गया है यह बहु-विषयक शिक्षा व्यवस्था के तहत साइंस, टेक्नोलोजी, इंजीनियरिंग और मेडिसिन में अध्ययन के साथ-साथ लिबरल आर्ट्स, मानविकी और सामाजिक विज्ञान पर जोर देने के साथ एक उदार, बहु-विषयक और अंतर-अनुशासनात्मक शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर भी बल देती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान प्रस्तुत कर रही है-प्रो. शोभा गौड़ विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. शोभा गौड़ ने कहा कि प्रत्येक राष्ट्र अपने सामाजिक सांस्कृतिक स्थितियों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयत्न करता रहता है और यह शिक्षा के माध्यम से संभव होता है। शिक्षा के माध्यम से ही विद्यार्थियों का उत्तरोत्तर विकास संभव है। शिक्षा एक स्रोत है जो संपूर्ण रूप से समाज को परिष्कृत एवं उत्कृष्ट बनता है। महात्मा गांधी ने गोलमेज सम्मेलन में कहा था कि मैं अंग्रेजों को भारत में उनकी हर कार्यों के लिए माफ करता हूं लेकिन इस बात के लिए माफ नहीं करता कि उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में भारत की सुनहरे भविष्य को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि वस्तुतः प्राचीन भारत की शैक्षिक व्यवस्था उत्कृष्ट थी। इस व्यवस्था में त्रुटि कहां से उत्पन्न हुई इस संबंध का उल्लेख करते हुए गांधी जी ने इसका पूर्ण उल्लेख किया था। वस्तुतः प्राचीन भारत में शिक्षा को आत्म प्रकाश, आत्मज्ञान तथा मुक्ति के रूप में देखा जाता था। राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थी केंद्रित है। इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति की समस्त संस्तुतियोंहमारे लिए नई नहीं है। यह दिग्विजय नाथ जी महाराज ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कल से ही संकल्पित कर रखी थी और इस दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल किए गए है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में तीन तरीके के विकास को रखा गया है जिसमें आध्यात्मिक विकास बौद्धिक, विकास और अकादमी विकास है। पाठ्यक्रम, समावर्तन, संस्कार यह सभी संकल्पनाएं सुचारू रूप से इस परिषद द्वारा संचालित हैं जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति के केंद्र में है। वस्तुत राष्ट्रीय शिक्षा नीति महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संकल्पनाओं और कार्य पद्धतियों का ही एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। संगोष्ठी में प्रमुख विद्वानों, शोधार्थियों सहित सभी विद्यार्थी तथा शिक्षक उपस्थित रहे। प्रथम तकनीकी सत्र में शोधार्थियों तथा शिक्षकों द्वारा शोध पत्रों का वाचन राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गणित विभाग के प्रो. सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर प्रस्तुत शोधार्थियों द्वारा शोध पत्रों का विश्लेषण करते हुए कहा कि समस्त शोध पत्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति की स्थिति और क्रियान्वयन को प्रस्तुत करता है। वास्तव में यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमारे प्राचीन भारतीय परम्परा का अभिन्न अंग रही है।

वस्तुतः वैदिक ऋषि अपने समय के युग दृष्टा थे। उनका अन्तर्ज्ञान, जिज्ञासा, बुद्धि और प्रकृति बहुत ही विलक्षण थी। 10वें मण्डल में नासदीय सूक्त हमारे सृष्टि का विस्तृत वैज्ञानिक विवरण देता है। नासदीय सूक्त में सात सुक्त ऐसे है जो यह स्पष्ट करते है कि यह ब्रह्माण्ड कैसे बना है और किसने बनाया है। आगे उन्होंने ने यह भी कहा कि हमारे वैदिक साहित्यों में ऐसे तमाम ज्ञान भरे पड़े हैं, जिसे वर्तमान विद्यार्थियों को सीखने और समझने की जरूरत है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति

◆ 'राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः संकल्प से सिद्धि तक' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ ◆ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों पर शिक्षाविदो एवं विद्वतजनों ने किया गहन विमर्श

Scanned with OKEN Scanner

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
2 गोरखपुर, रविवार, 08 अक्टूबर 2023

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लोक कल्याण के संकल्प से परिपूर्ण: प्रो. हरिकेश

- उच्च शिक्षा के परिदृश्य में मूलभूत परिवर्तन का आगाज है राष्ट्रीय शिक्षा नीति : प्रो पूनम टंडन
- ह्यराष्ट्रीय शिक्षा नीतिः संकल्प से सिद्धि तकह्न विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों पर शिक्षाविदो एवं विद्वतजनों ने किया गहन विमर्श

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। गोपाल नारायन सिंह विश्वविद्यालय सासाराम बिहार के कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना है। यह नीति लोक कल्याण के संकल्प से परिपूर्ण है। स्वतंत्रता के बाद से यह भारत के शिक्षा ढाँचे में बड़ा सुधार है।

प्रो. हरिकेश सिंह शनिवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड, गोरखपुर के बी. एड. विभाग के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ह्यराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: संकल्प से सिद्धि तकह्न के शुभारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह की अध्यक्ष दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन तथा विशिष्ट अतिथि दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. शोभा गौड के साथ मां सरस्वती और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रो सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्रमुख विशेषताओं में कला तथा विज्ञान के बीच, पाठ्यचर्या व पाठ्येतर गतिविधियों के बीच, व्यावसायिक और शैक्षणिक धाराओं के बीच संबंध पर बल।भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर जोर, एक नए राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, की स्थापना। तथा वंचित क्षेत्रों और समूहों के लिये एक समावेशन शामिल ' उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों की अति महत्वपूर्ण भूमिका है और भारतीय शिक्षकों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने और इस अनुरूप पढ़ाने जैसी नई चुनौतियों को स्वीकार कर शैक्षिक परिदृश्य में एक नई रोशनी दिखाई है।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए हैप्पीनेस सेंटर की आवश्यकताः प्रो. पूनम टंडन

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के शुभारंभ से भारतीय शिक्षा में एक नए युग की शुरूआत होगी, जो पहले से काफी बेहतर होगा और एक नये भविष्य का निर्माण करेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान प्रस्तुत कर रही है : प्रो. शोभा गौड़

विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. शोभा गौड़ ने कहा कि प्रत्येक राष्ट्र अपने सामाजिक सांस्कृतिक स्थितियों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयत्न करता रहता है और यह शिक्षा के माध्यम से संभव होता है ।राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यक्रम में स्वागत तथा प्रस्ताविकी उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थी केंद्रित है ' इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति की समस्त संस्कृतियों हमारे लिए नई-नई है यह दिग्विजय नाथ 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कल से ही यह संकल्पित कर रखी थी और इस दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल किए गए।इस संगोष्ठी में प्रमुख विद्वानों, शोधार्थियों सहित सभी विद्यार्थी तथा शिक्षक उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner